स्थापित - 1972

फार्म सं. 1293

महात्मा गाँधी शती स्मारक महाविद्यालय

गरूआ-मकसूदपुर, गाजीपुर (उ०प्र०)

(वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से सम्बद्ध)

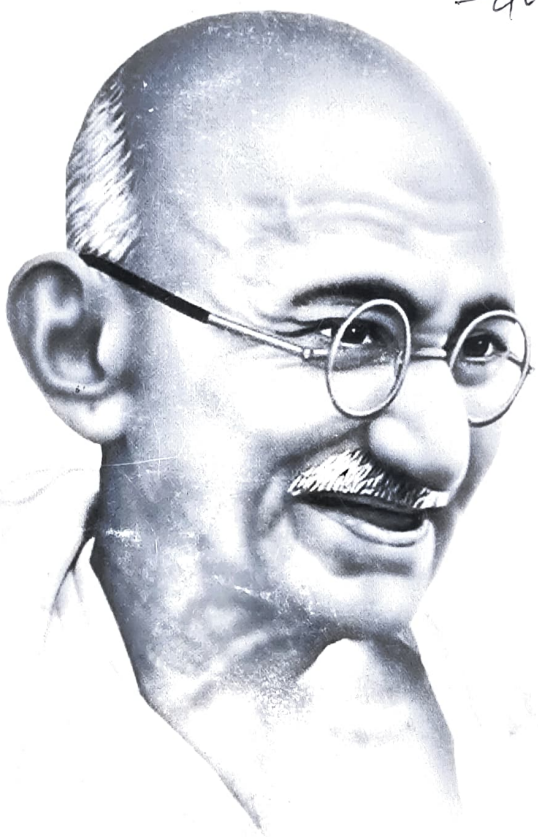

प्रवेश परीक्षा विवरणिका

संदेश

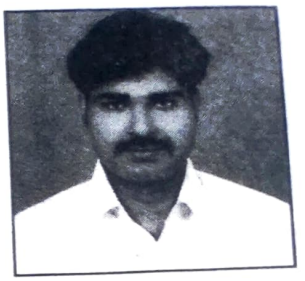

प्रिय प्रवेशार्थियों,

आप महात्मा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय, गरूआ मकसूदपुर में प्रवेश पाने के इच्छुक है यह जानकर मुझे अतीव प्रसन्नता हो रही है। महाविद्यालय शौक्षिक यात्रा का वह पड़ाव है जहाँ शिक्षार्थी न केवल विषय-ज्ञान एवं बौद्धिक दक्षता विकसित करता है बल्कि इसके साथ-साथ बृहत्तर समाज एवं वैश्विक मानवता से साक्षात सम्पर्क स्थापित करता है। यही कारण है कि शिक्षार्थी की शैक्षिक यात्रा में महाविद्यालय की विशिष्ट भूमिका होती है। समाज के एक जिम्मेदार वयस्क सदस्य एवं राष्ट्रीय व वैश्विक समुदाय के अंग के रूप में अपनी भूमिका की पहचान एवं निष्पादन में प्रवीणता यहीं सीखी जाती है।

जैसा कि विदित है कि 21वीं सदी मनुष्यता के लिये अपार संभावनाओं एवं आशांओं को लेकर आयी है ।इसका दारोमदार आपके कंधो पर ही है क्योंकि आप सभी का जन्म इसके प्रारम्भ के आस-पास है। यह सही अर्थो में आपकी सदी है। मैं समझता हूँ कि आप प्रवेश पाकर शिक्षा ग्रहण करते हुए सदैव अपने महत्तर दायित्व के प्रति सजग रहेगें जिससे समाज, राष्ट्र एवं वैश्विक मानवता की आशांए पूरित हो सकें।

शुभकामनाओं सहित

डॉ० नितेश कुमार पाण्डेय

प्राचार्य

महाविद्यालय परिचय

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन दर्शन एवं आदर्शो की वैचारिक पृष्ठभूमि में उनकी जन्मशती 2 अक्टूबर, 1969 को संकल्पित यह महाविद्यालय माँ जान्हवी के पूर्वी तट पर महार्षि यमदग्नि एवं परशुराम की तपोभूमि में तारीघाट जमानियाँ मार्ग पर जनपद गाजीपुर मुख्यालय से 10 किलोमीटर दक्षिण में अवस्थित है। उच्चशिक्षा से वंचित पूर्वी उत्तर प्रदेश के इस ग्राम्यांचल में निर्धन तथा साधनहीन छात्र छात्राओं को विश्व विद्यालय स्तर की शिक्षा सुलभ कराने के उद्देश्य से ग्राम-गरूआ मकसूदपुर, गाजीपुर के विशिष्ट जनों के 9 (नौ) सदस्यीय संस्थापक मण्डल ने इस संस्था की स्थापना की। प्रारम्भ में महाविद्यालय को 6 (छः) फिर 10 (दस) विषयों में मान्यता प्राप्त हुई। कतिपय कारणों से अंग्रेजी व समाजशास्त्र जैसे छात्र/छात्राओं में लोकप्रिय विषय अबाध रूप से संचालित नहीं हो सके। किन्तु सौभाग्यवश लगभग दो दशको के उपरान्त पुनः वर्तमान सत्र 2018-19 से इनके संचालन की अनुमति प्राप्त कर ली गयी है; सम्प्रति पूर्वान्चल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इस महाविद्यालय से स्नातक स्तर पर कला सकाय के दस विषयों में पठन की व्यवस्था उपलब्ध है।

संचालित पाठ्यक्रम तालिका

संकाय	स्नातक
कला	1. हिन्दी 2. संस्कृत 3. इतिहास. (म.का.एवं आ.) 4. भूगोल 5. राजनीति शास्त्र 6. मनोविज्ञान 7. अर्थशास्त्र 8. दर्शन शास्त्र 9. अंग्रेजी 10. समाजशास्त्र

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1. प्रवेश परीक्षा आवेदन-पत्र विक्रय की प्रारम्भिक तिथि
2. आवेदन-पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि
3. विलम्ब शुल्क (100 रू.) के साथ्ज्ञ आवेदन-पत्र खरीदने की अन्तिम तिथि
4. विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि
5. फार्म खरीदने का समय

प्रवेश हेतु आवश्यक निर्देश

1. किन्ही अपरिहार्य कारणों से तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है, जिसकी सूचना सूचना-पट्ट, कालेज वेबसाइट व समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित कर दी जायेगी।
2. प्रवेश परीक्षा का समय प्रातः काल 10 बजे से 12 बजे दिन तक होगा। परीक्षा प्रारम्भ होने के 15 मिनट बाद परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
3. प्रवेश परीक्षा हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र इस विवरणिका के साथ संलग्न है, जिसे भरकर एवं डाटा इन्ट्री कराकर प्रवेश-पत्र प्राप्त कर लें। अभ्यर्थी निर्धारित स्थानों पर स्वहस्ताक्षरित पासपोर्ट साइज का फोटो अवश्य लगावें।
4. प्रवेश परीक्षा के समय मोबाइल, कैलकुलेटर लाना वर्जित है। महाविद्यालय इन के बाहर रखने की व्यवस्था नहीं देगा।
5. प्रवेश पत्र के साथ पहचान-पत्र (आधार कार्ड इत्यादि मे से कोई एक) लाना अनिवार्य है।
6. प्रवेश-पत्र सुरक्षित रखें। कौंसिलिंग, प्रवेश लेते समय इसे आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
7. प्रवेश-पत्र खो जाने पर रू.100/- फोटो के साथ जमा कर परीक्षा तिथि से एक दिन पूर्व डुप्लीकेट प्रवेश-पत्र प्राप्त किया जा सकेगा।
8. प्रवेश परीक्षा का पूर्णांक 100 अंक का होगा कुल 100 प्रश्न होंगे प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा तथा बहुविकल्पीय होगा।

प्रवेश–प्रक्रिया एवम् नियमावली

1 प्रवेशार्थी अपने अध्ययन के विषयों का चयन सोच-समझकर करें। **प्रवेश के पश्चात् विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जायेगी।**

2 प्रत्यके कक्षा में प्रवेश स्वीकार करने का कार्य प्राचार्य द्वारा नामिति के द्वारा सम्पादित किया जायेगा।

3 अनुत्तीर्ण छात्र का पुनः प्रवेश स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे छात्र भूतपूर्ण परीक्षार्थी के रूप में विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म भरेंगे।

4 पिछले वर्ष या वर्षों में इस विद्यालय में पढ़ें छात्र को किसी दूसरी कक्षा में प्रवेश देते समय उसकी शैक्षिक योग्यता के अतिरिक्त उसके आचरण पर विशेष रूप से ध्यान दिया जायेगा। आचरण ठीक न होने पर प्रवेश नहीं दिया जायेगा। इस सम्बन्ध में अनुशासन समिति का निर्णय अन्तिम माना जायेगा।

5 गत वर्ष या वर्षों में जो छात्र किन्ही कारणों से महाविद्यालय में पूरे सत्र शिक्षारत नहीं रहे/अलग रहे तथा विश्वविद्यालय परीक्षा नहीं दिये उन्हें पुनः प्रवेश नहीं दिया जायेगा। इस सम्बन्ध में अनुशासन समिति का निर्णय अन्तिम माना जायेगा।

6 किसी छात्र द्वारा परीक्षा में अनुशासन भंग या परीक्षा संचालन में बाधा उत्पन्न करने या किसी अध्यापक या कर्मचारी के साथ दुर्व्यहार करने का दोषी पाये जाने पर उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी तथा पुनः प्रवेश नहीं लिया जायेगा।

7 किसी भी विषय में निर्धारित स्थान भर जाने पर प्रवेश बन्द कर दिया जायेगा। स्थान रहने पर प्राचार्य या कुलपति द्वारा निर्धारित तिथि तक प्रवेश हो सकता है।

8 प्रवेश के सम्बन्ध में प्राचार्य का निर्णय अन्तिम होगा।

8. अभ्यर्थी को उसके प्रवेश स्वीकृति की सूचना महाविद्यालय के सूचना पट्ट तथा वेबसाइट पर निकलने के बाद निर्धारित तिथि तक प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश ले लेना आवश्यक है, अन्यथा स्वीकृति-पत्र स्वयमेव रद्द हो जायेगा।

9. किसी छात्र/छात्रा का प्रवेश या पुनः प्रवेश महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्णय पर निर्भर है महाविद्यालय बिना किसी कारण बताये किसी छात्र/छात्रा का प्रवेश अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है (Right to admit or not adit remains with the principal of the college alone)

10. यदि ऐसे प्रमाण मिल जायें कि छात्र/छात्रा ने किसी ऐसे असत्य या अपने अनुशासनहीन और अनुत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार या अनैतिक आचरण की ऐसी शिकायतें जिनसे उनका प्रवेश नहीं किया जो सकता था, छिपाया है, तो उसका प्रवेश कभी भी निरस्त किया जा सकता है।

11. विषयों के चयन हेतु नियम महाविद्यालय नियमावली में उपलब्ध है।

12. प्रवेश-परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से 3 दिन तक ही उत्तर पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन हेतु आवेदन किया जा सकता है। पुनर्मूल्यांकन हेतु रू. 100/-जमा करना होगा।

13. महाविद्यालय में प्रथम वर्ष प्रवेश के अवसर पर आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र संलग्न करना आवश्यक है-

(i) यदि किसी प्रवेशार्थी ने इण्टर स्तर की परीक्षा उत्तीण की है तो-

1- हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट के अंक-पत्रों की स्वप्रमाणित फोटोप्रति के साथ मूल प्रमाण-पत्र।

2-पासपोर्ट साइज के अपने छः नवीनतम फोटो।

3-आधार कार्ड की स्वप्रमाणित छाया प्रति के साथ मूल प्रमाण-पत्र।

4-निवास प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित छाया प्रति के साथ मूल प्रमाण-पत्र।

5-यदि अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति या पिछड़ी जाति के हैं तो जाति प्रमाण-पत्र एवं अद्यतन आय प्रमाण प्रत्र की स्वप्रमाणित फोटोप्रति के साथ मूल प्रमाण-पत्र।

6-प्रवेश परीक्षा का प्रवेश-पत्र मूल रूप में।

7-अन्तिम विद्यालय का स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (T.C) तथा चरित्र प्रमाण-पत्र मूल रूप में

8-प्रत्येक कक्षा में प्रवेश स्वीकार करने का कार्य प्राचार्य द्वारा नामित समिति के द्वारा किया जायेगा। समिति द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रवेशार्थी को अपने मूल प्रमाण-पत्रों के साथ समिति के सम्मुख जाँच एवं साक्षात्कार हेतु उपस्थित होना होगा।

9-बी.ए. भाग एक की फीस विश्वविद्यालय एवं शासन द्वारा निर्धारण के अनुसार ली जायेगी।